भूतनाथ भयहरन भीम, भयभवन भूमिधरं । भानुमंत भगवंत, भूतिभूषन भुजंगवर ।।
भव्य भावबल्लभ भवेस भव भार विभंजन । भूरिभोग भैरव कुजोगगंजन जनरंजन ॥
|| Ram Katha 926 – मानस भूतनाथ || Bhootnath Mandir, Mahuva, Gujarat || मोरारी बापू

सांध्य दैनिक

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 9 अंक : 118 | इंदौर, शनिवार 04 नवंबर, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

◆सीएम शिवराज ने किया बड़ा जुबानी हमला ...

कमलनाथ-दिग्विजय कांग्रेस को नहीं बेटों को स्थापित करना चाहते हैं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को विपक्षी दलों के कांग्रेस के साथ गठबंधन पर बड़ा हमला बोला है । उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन बनने से पहले ही बिखर गया है। नीतीश कुमार ने भी कहा है कांग्रेस बाकी दलों की चिंता ही नहीं करती। इसके पहले भी अगर आप देखेंगे कांग्रेस ने कांग्रेस की चिंता की है और कांग्रेस में भी परिवारों की ही चिंता होती है। सोनिया गांधी से लेकर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह तक सब अपने बेटे-बेटी को स्थापित करने में जुटे हैं।

सीएम शिवराज ने शुक्रवार को सतना में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि सोनिया गांधी बेटा-बेटी को ही स्थापित करने में जुटे हैं। इसी परंपरा को कमलनाथ और दिग्विजय सिंह निभा रहे हैं। वे अपने बेटों को स्थापित करने में जुटे हैं। उनके बेटे तो टिकट भी घोषित करते हैं। पहले छिंदवाड़ा की टिकट बेटा घोषित करेगा और बाद में फिर कांग्रेस घोषित करेगी। उन्होंने कहा कि पर्दे के पीछे इंडी गठबंधन तो बिखर ही गया है कांग्रेस भी बिखेर रही है और अब सफाई देनी पड़ रही है हम साथ-साथ हैं। कांग्रेस के नेता तो जय-वीरू की जोड़ी बता रहे हैं। अब यह जोड़ी जय वीरू की जोड़ी नहीं है एक फिल्म आई थी मेरे अपने जिसमें श्याम और छेनू की जोड़ी दोनों अपने-अपने मोहल्ले में कब्जे के लिए लड़ते थे। यह बिखरी हुई कांग्रेस कभी प्रदेश का भला नहीं कर सकती। सीएम शिवराज ने आरोप लगाया कि कमलनाथ की सरकार ने गरीबों की योजनाएं बंद करने का पाप किया था। उन्होंने कहा कि यह वही कांग्रेस है, जो भगवान राम को काल्पनिक बताती थी। कोर्ट में एफिडेविट देती थी। भगवान राम किस कमरे में पैदा हुए ये बताओ, पूछती थी।

इस दौरान शिवराज ने दावा किया कि उनकी सरकार ने भोपाल-इंदौर से भी ज्यादा पैसा रीवा और सतना के विकास पर खर्च किया है। वहीं, विंध्य ने कांग्रेस को सब दिया लेकिन कांग्रेस ने विंध्य को कुछ नहीं दिया। चाहे दिग्विजय सिंह जी का शासन काल हो या उससे पहले कांग्रेस की सरकारें रही हों। विकास की दृष्टि से हमेशा पिछड़ा रखने का पाप अगर किसी ने किया है तो वह कांग्रेस पार्टी है। कमलनाथ जी बताएं अपने सवा साल का कार्यकाल में विंध्य के लिए क्या किया? कितनी बार विंध्य के दौरे किए, क्या दिया विंध्य को? हम हिसाब देने को तैयार हैं विंध्य का जो विकास हुआ है भाजपा की सरकार में हुआ है।

नेपाल में 6.4 तीव्रता का भूकंप, 141 की मौत

काठमांडू। नेपाल में शुक्रवार रात करीब 11 बजकर 32 मिनट पर 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। उस समय 37 लोगों के मौत की खबर आई। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, सुबह तक यह आंकड़ा 141 पहुंच गया। सैकड़ों घरों के नुकसान की भी खबर है। हालांकि इसका कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं आया है।

नेपाली मीडिया के मुताबिक, भूकंप का केंद्र काठमांडू से 331 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में 10 किमी जमीन के नीचे था। जाजरकोट और रुकुम पश्चिम जिले में भूकंप का असर सबसे ज्यादा देखा गया। यहां अब तक 105 और 36 लोगों की मौत हो चुकी है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड हालात का जायजा लेने जाजरकोट पहुंच चुके हैं।

भूकंप का असर भारत में भी देखने को मिला। दिल्ली-एनसीआर के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और बिहार की राजधानी पटना में झटके महसूस किए गए। हालांकि भारत में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने किया 130 सीट जीतने का दावा

कांग्रेसियों को दिया जीत का मंत्र

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खातेगांव। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनावों को लेकर अब सियासी हलचल तेज हो चूंकि है। कांग्रेस के रणनीतिकार और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह आज एक दिवसीय दौरे पर देवास जिले के खातेगांव और बागली पहुंचे। खातेगांव में पूर्व मंत्री दीपक जोशी के समर्थन में कार्यकर्ताओ की बैठक के बाद सिंह बागली विधानसभा के पूंजापुरा पहुंचे। जहां अपने गनमैन रहे कांग्रेस प्रत्याशी गोपाल भोंसले के समर्थन में चुनाव प्रबंधन के लिए कांग्रेस के ब्लॉक, मंडलम, सेक्टर और बूथ के कार्यकतार्ओं से चर्चा कर बड़ी बैठक को संबोधित किया। दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस कार्यकर्ताओ को कहा की हमारी जीत का आधार केवल पोलिंग बूथ हैं। हम लोग जब तक इमानदारी से हर मतदाता तक नहीं पहुंचेंगे जब तक हम नहीं जीत पाएंगे। मंडलम सेक्टर और बीएलओ हर मतदाता तक अपनी पहुंच बनाएं और लोगों को बताएं की कमलनाथ की अल्प समय की सरकार में किस तरह किसानों का कर्जा माफ हुआ। उन्होंने नारी सम्मान योजना सहित कांग्रेस के वचन पत्र को जनता तक पहुंचाने की बात कही।

बागली को जिला बनाने पर भी बोले दिग्विजय सिंह

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने बागली को जिला बनाने के लिए 62 दिनों तक चले आंदोलन का भी जिक्र करते हुए कहा की बागली को जिला बनाने की घोषणाओं के बाद भी उसका पालन नही हुआ। कांग्रेस सरकार बनते ही आयोग के माध्यम से समीक्षा कर तहसील और पटवारी हल्के का सीमांकन कर भौगोलिक दृष्टि से जहा आवश्यकता होंगी वहा जिले बनाए जाएंगे। दिग्विजय सिंह ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा की भाजपा आदिवासियों को वनवासी कहती है। लेकिन कांग्रेस उन्हे आदिवासी मानती है। आदिवासी वो होता है, जो अनादि काल से यहां निवास करता है। इस दौरान उन्होंने 15 महीने की सरकार में कांग्रेस की योजनाओ का जिक्र किया।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे लेंगे उज्जैन में सभा

योगी की तराना या नागदा में हो सकती है आमसभा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। विधानसभा चुनाव अब पूरे शबाब पर आ गया है। जिले की सातों विधानसभा सीटों पर भाजपा और कांग्रेस में कड़ा संघर्ष हैं। पिछले दिनों भाजपा के स्टार प्रचारक केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उज्जैन के शहीद पार्क पर जनसभा हुई थी। अब कांग्रेस ने भी विधानसभा चुनाव के लिए अपने महाजनसंपर्क अभियान को जारी कर दिया है। इसमें पार्टी के बड़े नेताओं की रैली व सभा होगी। चुनाव प्रचार के लिए कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े 7 नवंबर को उज्जैन आएंगे। हाल के वर्षों में यह पहला चुनाव होगा जिसमें कांग्रेस के लिए प्रचार सभा के लिए गांधी परिवार का कोई सदस्य नहीं आ रहा है। कांग्रेस के महाजनसंपर्क अभियान में वचन पत्र और संदेश को हर मतदाता तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इधर उज्जैन शहर कांग्रेस अध्यक्ष रवि भदौरिया के अनुसार प्रदेश संगठन में प्रचार का कार्यक्रम निर्धारित किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष की सभा होगी या रोड शो अभी तय नहीं है। इधर भाजपा यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की जनसभा के लिए पूरा जोर लगा रही है। पिछले चुनाव में योगी की जनसभा शहीद पार्क पर हुई थी वही इस बार योगी की सभा तराना या नागदा में हो सकती है। इस पर संगठन स्तर पर मंथन चल रहा है।

हर बागी के घर पहुंची भाजपा, कांग्रेस ने दिल्ली से फोन भी करवाए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भाजपा ज्यादातर बागियों को मनाने में सफल रहे हैं, लेकिन जो नहीं माने, उनसे दोनों दलों को चुनाव में बड़ा खतरा बरकरार है। बागियों को मनाने के लिए भाजपा ने नेताओं को घर भेजा, दिल्ली से फोन भी करवाए। कांग्रेस ने भी दिल्ली बात करवाई। इसके बाद भी बागी नहीं माने। भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष नंदकुमार चौहान के बेटे हर्षवर्धन सिंह चौहान को नहीं मना पाई। वे बुरहानपुर से निर्दलीय मैदान में है। इससे भाजपा प्रत्याशी अर्चना चिटनीस को सीधा खतरा दिखाई दे रहा है। इसी तरह आलोट सीट से कांग्रेस पूर्व सांसद प्रेमचंद्र गुड्डू को नहीं मना पाई। जबकि कांग्रेस ने सांवेर से गुड्डू की बेटी रानी बौरासी को ही टिकट दिया है।

भाजपा ने नामांकन दाखिले की प्रक्रिया पूरी होते ही बागियों को मनाने का काम मिशन मोड में किया। पार्टी ने संभागवार नेताओं को दायित्व सौंपे और उन्हें बागी नेताओं को मनाने के लिए उनके घर भेजा। जरूरत पडऩे पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा से लेकर केंद्रीय नेतृत्व से भी चर्चा कराई। परिणाम यह रहा कि भाजपा अधिकांश बागियों को मनाने में सफल हो गई है। इसी तरह कांग्रेस में भी बागियों को मनाने की पूरी कोशिश की गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एवं प्रदेश प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला से लेकर राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी से भी संपर्क कराया। बताया गया कि कुछ नेताओं को सरकार बनने पर एडजस्ट करने का आश्वासन भी दिया गया।

कांग्रेस के बागी

महू से अंतर सिंह दरबार, सिवनी- मालवा से ओपी रघुवंशी, आलोट से प्रेमचंद्र गुड्डू, आलोट से प्रहलाद वर्मा, गोटेगांव से शेखर चौधरी, भोपाल उत्तर से आमिर अकील, मल्हारगढ़ से श्यामलाल, जावद से राजकुमार अहीर, धार से कुलदीप बुंदेला बागी हैं। इसी तरह सुमावली सीट से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी कुलदीप सिकरवार बसपा से चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि बड़नगर से पूर्व प्रत्याशी राजेन्द्र सिंह सोलंकी निर्दलीय चुनाव मैदान में है। पोहरी से प्रद्युम्र सिंह कांग्रेस के खिलाफ बसपा से चुनाव लड़ रहे हैं।

भाजपा के बागी

निमाड़ी से राम कुशवाह, टीकमगढ़ से केके श्रीवास्तव पूर्व विधायक, मल्हारगढ़ से बसंतीलाल मालवीय, जावद से पूरनमल अहीर, छतरपुर से प्रकाश पांडे और महाराजपुर से कमलेश कुशवाह ने पार्टी छोड़ दी है। जोवट से माधो सिंह दरबार, धार से राजीव यादव निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। अन्य सीटों पर भी बागी मैदान में डटे हैं।

तीन विधानसभा के प्रत्याशी आज आमने-सामने कार्यक्रम में

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर इंदौर प्रेस क्लब द्वारा ह्यआमने-सामनेह्ल कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र इंदौर-02, 03 और 04 के भारतीय जनता पार्टी, अ.भा. राष्ट्रीय कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी शनिवार, 4 नवंबर, 2023 को इंदौर प्रेस क्लब में आयोजित ह्यआमने-सामनेह्ल कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम का समय निम्नानुसार रहेगा।

विधानसभा इंदौर-3 : गोलू शुक्ला (भाजपा) एवं पिंटू जोशी (कांग्रेस), दोपहर - 2.00 बजे।

विधानसभा इंदौर-4 : श्रीमती मालिनी गौड़ (भाजपा), श्री राजा मांधवानी (कांग्रेस) और डॉ. पीयूष जोशी (आप), दोपहर - 4.00 बजे।

विधानसभा इंदौर-2 : श्री रमेश मैंदोला (भाजपा) एवं श्री चिंटू चौकसे (कांग्रेस), शाम - 5.00 बजे।

इंदौर पहुंची किसान-मजदूर बचाओ यात्रा

◆ संयुक्त किसान मोर्चा ने रखी कर्ज माफी और समर्थन मूल्य सहित 166 मांगे

10 नवंबर को सोनकच्छ में होगा समापन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। 3 अक्टूबर लखीमपुर खीरी हत्याकांड की तीसरी बरसी के दिन भोपाल से निकली किसान-मजदूर बचाओ यात्रा शुक्रवार को इंदौर पहुंची। यात्रा 52 जिलों में भ्रमण करेगी। इंदौर 44वां जिला है। 10 नवंबर को देवास जिले के सोनकच्छ में यात्रा का समापन होगा। संयुक्त किसान मोर्चा के अध्यक्ष शिवकुमार शर्मा ह्यकक्का जी ने यात्रा के ऐजेंडे को लेकर मीडिया से चर्चा करते हुए कहा, मप्र में भाजपा सरकार के 18 साल के भ्रष्टाचार और केंद्र और राज्य सरकारों के किसान विरोधी निर्णयों से किसानों को अवगत कराना और 15 महीने की कांग्रेस सरकार के निर्णयों से किसानों को अवगत कराना यात्रा का मूल उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि सरकार जिस अनुपात में हमारा सहयोग करेगी हम उसका उसी अनुपात में सहयोग करेंगे। वोट की बात हमने कभी नहीं की। किसान समझदार है उसे पता है किसका समर्थन करना है। जो सरकार हमारा शोषण करेगी, दमन करेगी हम उसका साथ नहीं देंगे। शर्मा ने कहा कि कमलनाथ के किसान विरोधी होने को लेकर भाजपा सरकार झूठ बोल रही है। उन्हें काम करने का जितना मौका मिला उस हिसाब से उन्होंने 14600 करोड़ रुपए की पहली किस्त किसानों को दी। उन्होंने 22 जिलों को दूसरी किस्त भी पहुंचाई, लेकिन उसके बाद उनकी सरकार गिर गई।

शर्मा ने शिवराज सिंह चौहान सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि 2008 से भाजपा सरकार किसानों का 50 हजार करोड़ का किसानों का कर्ज माफ करने की बात कर रही है, लेकिन साढ़े 18 साल सत्ता में रहने के बावजूद उन्होंने किसानों का पांच पैसे का भी कर्ज माफ नहीं किया। खाद्यान्न सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार को तीन बार पत्र लिख चुका हूं। हमारी मांग है कि फॉरेस्ट रिजर्व की तरह एग्रीकल्चर लैंड रिजर्व का प्रावधान भी सरकार को करना चाहिए, नहीं तो आने वाले वर्षों में देश को भारी खाद्यान्न संकट से जूझना पड़ेगा। सरकार को लैंड रिजर्व करते हुए उस पर कॉलोनी, कारखाने फोर लेन, सिक्स लेन बनाने को प्रतिबंधित करना चाहिए।

सी-विजिल एप के माध्यम से मिली 533 शिकायतों का हुआ त्वरित निराकरण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर जिले में मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 में आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन के संबंध में सी-विजिल एप के माध्यम से मिली सभी 533 शिकायतों का निराकरण हो गया है। विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए 9 अक्टूबर से आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हुई है। आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की जानकारी त्वरित मिल सके, इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सी-विजिल एप तैयार किया गया है। यह एप आदर्श आचरण संहिता के लागू होते ही सक्रिय हो गया है। एप के माध्यम से कोई भी नागरिक आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की किसी भी तरह की शिकायत फोटो, वीडियो के माध्यम से कर सकते हैं। शिकायत प्राप्त होते ही त्वरित निराकरण किया जा रहा है। यह एप गूगल प्ले स्टोर पर जाकर कोई भी नागरिक अपने एंड्रॉयड मोबाइल पर डाउनलोड कर सकते हैं। इंदौर जिले में विधानसभा निर्वाचन के दौरान निर्वाचन संबंधी प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिये बेहतर इंतजाम किये गये हैं। शिकायतों को प्राप्त करने तथा उनके निराकरण संबंधी कार्यवाही के लिये कलेक्टर कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। यह कंट्रोल रूम कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. इलैयाराजा टी के मार्गदर्शन में कार्य कर रहा है।

कटाक्ष

नशामुक्ति अभियान के तहत समाजकार्य महाविद्यालय में व्याख्यान

◆ समाज में संगठित होकर हरदम यह प्रयास करना होगा कि युवाओं को बचाए कैसे नशे से

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। गरीब बस्तियों में शाम ढलते ही रोज चीख-पुकार और बच्चों के रोने की आवाज, मारपीट के साथ गालियां सुनने और देखने को मिलती है। दुनिया में केवल भारत एकमात्र ऐसा देश है, जहां जहरीली शराब मिलती है और बेची जाती है। अन्य किसी देश में जहरीली शराब का विक्रय नहीं होता है। युवाओं को नशे से बचाने के लिए हमें संगठित होकर बेहतर समाज बनाने का प्रयास करना होगा।युवाओं को नशे से बचाने के लिए विशेष कर महिलाओं को आगे आना होगा। उक्त बातें शुक्रवार को शिक्षाविद् एवं होलकर कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. राम श्रीवास्तव ने यूनिवर्सल पीस एंड सोशल डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत समाज कार्य महाविद्यालय में आयोजित व्याख्यान में कहीं। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि देश का भविष्य नारी शक्ति के हाथों में है। अतः महिलाओं को उनकी शक्ति से अवगत कराना होगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों के आसपास धड़ल्ले से नशा बिक रहा है। प्रोफेशनल कॉलेज के करीब 70 प्रतिशत विद्यार्थी नशे की लत में फस चुके हैं। जहरीली शराब से मरने वालों में अधिकांश गरीब और मजदूर वर्ग के लोग होते हैं। इंदौर शहर को नशे से बचाने के लिए शहर का एक-एक बच्चा कसम खा ले कि नशा बेचने वालों की शिकायत करेंगे। लेकिन पुलिस ईमानदारी से कार्रवाई करेगी तो शहर नशा मुक्ति में भी एक नंबर पर आ जाएगा। शहर को अगर नशे से मुक्त कर दिया जाए तो शहर में अपने आप सभी तरह के अपराध समाप्त हो जाएंगे। महिलाएं संकल्प लें कि हम नशा मुक्त समाज बनाएंगे तो समाज नशा मुक्त हो जाएगा। इस मौके पर डॉ. अनिल भंडारी ने कहा कि संस्था द्वारा पिछले एक वर्ष से नशे के खिलाफ जन जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके सार्थक परिणाम भी आ रहे हैं। हम सभी मिलकर नशे के खिलाफ रचनात्मक आंदोलन चलाएं। साथ ही सार्वजनिक कार्यक्रमों में नशा परोसने की प्रवृत्ति को बंद करें।

पति, सास-ससुर पर दहेज हत्या का केस

इंदौर। दहेज के प्रताडित करने पर महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जांच के बाद तिलकनगर पुलिस ने पति, सास और ससुर पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, घटना 29 अक्टूबर की है। मृतका का नाम नीलम पति स्वप्निल तिवारी है। उसकी शादी पिछले साल हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग नीलम को दहेज के लिए प्रताडित करते थे। प्रताडऩा से तंग आकर नीलम ने उक्त कदम उठाया था। जांच के बाद पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी स्वप्निल दिल्ली में आईटी इंजीनियर है।

जहर खाने वाले डॉक्टर की हालत खतरे से बाहर

◆ घटना के बाद एमवायएच में जूनियर डॉक्टरों का हंगामा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एमवाय अस्पताल में एचआईवी मरीज को थप्पड़ मारने वाले जूनियर डॉक्टर ने सुसाइड का प्रयास किया। इसके बाद साथी जूनियर डॉक्टरों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया। देर रात अस्पताल प्रबंधन के साथ संभागायुक्त माल सिंह भयडिया भी मौके पर पहुंचें। अस्पताल में तीन थानों का बल तैनात किया गया।

जूनियर डॉ. आकाश कौशल ने शुक्रवार रात मच्छर मारने की दवा की दो बोतल पीकर जान देने की कोशिश की। समय रहते उन्हें अस्पताल में भर्ती करा दिया गया। अब वह खतरे से बाहर है। डॉ. आकाश ने एक सुसाइड नोट भी लिखा, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। सुसाइड नोट में किसी को मुंह नहीं दिखा पाने की बात लिखी है।

28 अक्टूबर को सडक़ हादसे में घायल 55 वर्षीय व्यक्ति को एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कैजुल्टी में जूनियर डॉ. आकाश कौशल ने मरीज का इलाज शुरू किया। अस्पताल के पर्चे के साथ मरीज की मेडिकल हिस्ट्री के पेपर्स भी अटैच्ड थे। डॉ. कौशल ने पेपर्स चेक किए तो उसमें ॥ढ्ढङ्क+ होना लिखा था। ये देख डॉ. आकाश नाराज हो गए, कहने लगे पहले क्यों नहीं बताया। मरीज का हाथ मरोड़ते हुए उसकी पिटाई कर दी।

परिवार के सदस्य ने वीडियो बना लिया और स्थानीय भाजपा नेता को भेज कर मामले से अवगत कराया। मामला एमवाय अस्पताल प्रशासन तक पहुंचा तो तुरंत डॉ. कौशल को सस्पेंड कर जांच के लिए पांच सदस्यीय कमेटी बनाई गई।

यूनिट के दूसरे पेशेंट भी अवाक रह गए

मरीज के भतीजे कपिल ने बताया, चाचा का कहना था कि मेरी हालत ठीक नहीं है। पर्ची पर सब कुछ लिखा हुआ है। चाचा के इतना कहते ही डॉ. कौशल ने उन्हें पीटना शुरू कर दिया। उन्होंने हाथ मोड़ा और गालियां भी दीं। इस दौरान दूसरे डॉक्टर्स ने उन्हें रोकने की कोशिश की। सब कुछ इतना जल्दी हुआ कि घायल चाचा को कुछ समझ ही नहीं आया। यूनिट में एडमिट दूसरे पेशेंट और उनके परिजन भी अवाक रह गए।

साथी डॉक्टर ने मरीज के परिजन पर निकाली भड़ास

हादसे में घायल मरीज के पैर की गुरुवार को सर्जरी हुई, जिसमें रॉड डाली गई है। शुक्रवार रात करीब 12.30 बजे मरीज के पास उसकी दादी थी। तभी डॉ. कौशल का एक साथी जूनियर डॉक्टर दादी के पास आया। उन्हें गुस्से में चीखते हुए कहा कि तुम्हारे कारण हमारे साथी का जीवन बर्बाद हो गया। उसने जहर खा लिया है। तुम लोगों ने यह ठीक नहीं किया। इसके कुछ मिनट बाद ही ग्राउंड फ्लोर पर सुपिरटेंडेंट ऑफिस के सामने जूनियर डॉक्टरों ने हंगामा कर दिया।

3 लाख नगद और सोने के जेवरात ले भागे चोर

मकान मालिक सोता रहा और हो गई चोरी की वारदात

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मकान मालिक घर में सोता रहा और नौकर 3 लाख रुपए नकद, सोने के जेवरात लेकर रफूचक्कर हो गया। सुबह जब मालिक उठा तो चोरी की घटना का पता चला। मामला एमजी रोड थाना क्षेत्र का है। पुलिस को फरियादी शिवम पिता संतोष बघेल निवासी काछी मोहल्ला ने बताया कि उनकी सांवेर रोड पर फैक्ट्री है। चार दिन पहले उन्होंने उदयपुर के रहने वाले नरेश नामक युवक को घरेलू नौकर रखा था। नौकर ने तीन दिन तक घर में अच्छा काम किया। सात दिन पहले नौकर माल पर हाथ साफ कर गया। जब वह काम पर नहीं आया तो शिवम ने फोन किया। फोन बंद मिला। इस पर शक हुआ कि नौकर ही माल लेकर गया है। नौकर ऊपर के कमरे में सोता था। सुरक्षा की दृष्टि से घर पर दो सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। कैमरे में नौकर ऊपरी मंजिल से उतरता नजर आ रहा है, लेकिन माल ले जाते हुए फुटेज नहीं आए हैं। पुलिस ने नरेश का आधार कार्ड लेकर उदयपुर टीम रवाना की है। नौकर के पकड़ाने के बाद ही चोरी का पता चलेगा।

देसी कट्टे के साथ पकड़ाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पीथमपुर के सेक्टर एक थाना क्षेत्र में पुलिस की ओर से चुनाव प्रचार के दौरान कई बड़े राज नेताओं के आने से पूर्व शहर में गहन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान पुलिस को देख कर नवल किशोर पिता मोहन प्रसाद कुशवाह उम्र 42 वर्ष भागने लगा। पुलिस की ओर से नवल किशोर को घेराबंदी कर पकड़ कर तलाशी ली गई, तो नवल के पास से एक बारह बोर का देशी कट्टा व जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी नवल किशोर पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को धार न्यायालय में पेश किया। थाना प्रभारी संतोष कुमार दूधी ने बताया कि आगमी दिनों में चुनाव प्रचार के लिए शहर में कई राजकीय नेताओं के आने की संभावनाओं को देखते हुए शहर में लगातार आकस्मिक चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

ट्रैफिक नियमों की दी जानकारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। ट्रैफिक पुलिस ने बच्चों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी के साथ ये भी प्रेक्टिकल कर बताया कि जब ट्रैफिक सिग्नल नहीं थे तब पुलिसकर्मी चौराहों पर खड़े होकर कैसे ट्रैफिक नियंत्रित करते थे। बच्चों को इस दौरान ट्रैफिक नियमों से अवगत करवाया गया। बच्चों के मनोरंजन के लिए ट्रैफिक पार्क में पुलिस ने बच्चों को खो-खो खिलाई और अंताक्षरी की प्रतियोगिता भी करवाई।

पुलिस उपायुक्त यातायात मनीष कुमार अग्रवाल के निर्देशन में यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं को सडक़ सुरक्षा नियमो के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। जिसके लिए यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा इंडोर एवं आउटडोर जागरुकता कैे पेन भी चलाया जा रहा है। शुक्रवार को यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा वेदांश इंटरनेशनल स्कूल के 200 बच्चों को यातायात जागरूकता अभियान के तहत यातायात पार्क रेसीडेंसी एरिया का भ्रमण करवाया गया। स्कूल बस में जरूरी सुरक्षा उपकरणो और उनके महत्व के बारे में विस्तार पूर्वक बच्चो को जानकारियां दी गई। यातायात प्रबंधन पुलिस ने ट्रैफिक क्या होता है, जब ट्रैफिक सिग्नल नहीं थे तब यातायात को नियंत्रित करने के लिए पुलिसकर्मी किस तरह हाथ से यातायात का संचालन करते थे के बारे में प्रैक्टिकल करके बताया । ट्रैफिक सिग्नल, संकेत बोर्ड, रोड मार्किंग, लाइसेंस बनवाने की विधि व नियम के साथ-साथ यातायात शिक्षा को मनोरंजक बनाने के लिए बच्चों को गे स भी खिलाए गए। यातायात से जुड़ी कई जानकारियों को जानने के बाद बच्चों ने प्रश्न किए। यातायात प्रबंधन पुलिस ने भी उनकी जिज्ञासाओं को दूर करते हुए सभी सवालों का जवाब दिया।

लोडिंग चालक को किया घायल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। रावजी बाजार थाना क्षेत्र के सैफी नगर में विवाद के चलते बदमाश ने लोडिंग रिक्शा चालक को कैंची मारकर घायल कर दिया। घायल युवक आशीष यादव ट्रांसपोर्ट पर पार्सल पहुंचाने जा रहा था, तभी दो बाइक सवारों ने लोडिंग टक्कर मार दी, जिस पर आशीष ने उन्हें ठीक से गाड़ी चलाने को कहा। इसी बीच दोनों पक्षों में कहासुनी हुई। इसी दौरान जब विवाद बड़ा तो दोनों बाइक सवारों ने अपने परिचितों को बुलाकर पीट दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

800 छात्रों को साइबर फ्रॉड की जानकारी दी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने,लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से कार्यशाला काआयोजन किया जा रहा है। सायबर अवेयरनेस के तहत माहेश्वरी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में एडीशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया ने कार्यशाला में करीब 800 स्टूडेंट्स को वर्तमान समय के विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों और इनसे बचने के तरीकों को समझाते हुएए विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड की जानकारी के साथ, पुलिस के पास आने वाली विभिन्न साइबर क्राइम की शिकायतों के आधार पर साइबर फ्रॉड से बचने के टिप्स दिए।**

उन्होंने कहा कि वर्तमान में ज्यादातर साइबर क्राइम, फर्जी लिंक,फर्जी एप,फर्जी काल और फर्जी सोशल मीडिया चैनलों तथा प्रलोभन देने वाले ऑनलाइन प्लेटफार्म से निजी जानकारी प्राप्त कर किए जाते हैं। यदि हम जागरूकता के साथ थोड़ी सावधानी रखें और अपनी निजी जानकारी किसी भी अनजान से शेयर ना करें तो इन साइबर फ्राड से बहुत हद तक बच सकते हैं। स्टूडेंट्स सहित संस्थान के स्टाफ ने भी साइबर सुरक्षा संबंधी बातें जानी और इंदौर पुलिस के इस अभियान की सराहना की।

यहां भी साइबर क्लास

केवल श्री ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन के स्टूडेंटस को भी एडिशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया ने साइबर क्राइम से बचने के टिप्स दिए। इस कार्यशाला मे करीब 250 स्टूडेंट्स को वर्तमान समय के साइबर अपराधों के प्रकारों और इनसे बचने के तरीकों को बताते हुए उन्हें पुलिस के पास आने वाली साइबर अपराधों की शिकायतों की केस स्टडी के आधार पर साइबर क्राइम से बचने के टिप्स दिए।

उन्होंने कहा कि आप सभी तो इस नई तकनीकी दुनिया को और आगे ले जाने वाले हैं, आने वाले समय में और नई-नई तकनीके देखने को मिलेगी तो हमें और नई चुनौतियां भी मिलेगी और उसका सामना हम जब ही कर सकते हैं जब हम सतर्क और जागरूक होंगे। इस दौरान स्टूडेंट्स ने एडिशनल डीसीपी से कई सवाल किये और विभिन्न साइबर क्राइम की बारीकियों को प्रैक्टिकली समझा। सभी ने इंदौर पुलिस के अभियान की जमकर तारीफ करते हुए पुलिस टीम को धन्यवाद दिया।

नौकर ने लगा दी चपत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। गोल्डन चाय वाले मालिक के पास काम करने वाले नौकर ने मालिक की माताजी के मोबाइल के ओटीपी देखकर यूपीआई की मदद से खाते से 2.17 लाख रुपए निकाल लिए थे। पुलिस को शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने सायबर सेल की मदद से आरोपी को गिर तार कर लिया है। थाना एमजी रोड में सोहन चौहान द्वारा 2 लाख 17 हजार रुपए की ऑनलाइन धोखाधडी की शिकायत की थी। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच की। सायबर सेल की मदद से पुलिस ने आरोपी हरप्रीत सिंह , खंडवा रोड को गिर तार किया । आरोपी ने स्वयं को उक्त फ्राड में अपने मालिक सोहन चौहान गोल्डन चाय वाले के मोबाइल व फरियादी की माताजी के मोबाइल के ओटीपी देखकर यूपीआई के मध्यम से कोटक महिंद्रा बैंक व एसबीआई बैंक से ऑनलाइन 2 लाख 17 हजार रुपए की ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया था। आरोपी हरप्रीत द्वारा बताया गया कि पैसे मेरे द्वारा खुद के अकाउंट में लिए गए। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई कर रही है।

चुनाव के कारण अचानक बढ़ी फूलों की मांग, दोगुनी हो गई आवक और भाव

नवरात्र में फूलों की मांग थोड़ी बढ़ी थी, लेकिन उसके बाद कम हो गई थी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रत्याशी दिन-रात मैदान में डटे हुए हैं। जनसंपर्क के दौरान उनका जगह-जगह माला और फूलों से स्वागत किया जा रहा है। इस कारण शहर में अचानक फूलों की मांग बढ़ने लगी है। मंडी में फूलों की आवक भी 100 फीसद बढ़ गई है, फिर भी इनके दामों में बढ़ोतरी हुई है। राजीव गांधी चौराहे के समीप फूल मंडी में इन दिनों खरीदारों की भीड़ देखने को मिल रही है। यहां से लोग सुबह-सुबह ही क्विंटलों में फूल खरीदकर ले जा रहे हैं।

मंडी व्यापारियों का भी कहना है कि नवरात्र में फूलों की मांग थोड़ी बढ़ी थी, लेकिन उसके बाद कम हो गई थी। अप प्रत्याशियों के लिए फूल खरीदकर उनके समर्थक ले जा रहे हैं। सबसे ज्यादा मांग अभी गेंदे के फूल की देखी जा रही है। नवरात्र में गेंदे के फूल 10 रुपये किलो बिक रहे थे, वहीं अभी 20 से 30 रुपये किलो तक बिक रहे हैं। आम दिनों में फूल मंडी में जहां 10 हजार किलो तक फूलों की आवक होती थी, लेकिन अभी 20 हजार किलो फूल आ रहे हैं। बात करें फूलों के बढ़ते दामों की तो इसका असर प्रत्याशी और उनके समर्थकों को तो नहीं लेकिन आम जनता की जेब पर जरूर पड़ रहा है। घर में जहां पूजा के लिए रोजाना आने वाले 10 रुपये के फूलों के लिए उन्हें अब 20-25 रुपये देना पड़ रहे हैं। बता दें कि चोइथराम फूल मंडी में 80 से 100 व्यापारी फूलों का कारोबार करते हैं।

नड्डा ने कमलनाथ को कहा कलेक्टर

मध्यप्रदेश में कमल खिलाने की अपील

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

रीवा। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज रीवा जिले के त्योंथर विधानसभा पहुंचे। यहां बीजेपी उम्मीदवार सिद्धार्थ तिवारी के पक्ष में वोट मांगते हुए उन्होने जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होने बीजेपी सरकार की उपलब्धियां गिनाई, वहीं कांग्रेस पर जमकर हमला भी किया। उन्होने कहा कि 2003 से पहले मिस्टर बंटाधार दिग्वयजय सिंह ने मध्य प्रदेश में कैसे दुरावस्था फैलाई थी। कांग्रेस की नीति थी कि वोट मांगों लेकिन विकास मत करो। इसी के साथ उन्होने कहा कि कमलनाथ सहित अन्य प्रदेशों में भी जहां जहां

कांग्रेस के मुख्यमंत्री हैं, वो असल में कलेक्टर हैं। ये यहां से इक_ा कर सब दिल्ली दरबार में अर्पित कर देते हैं।

पीएम मोदी की प्रशंसा- जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के राज में जनता को घोटाले मिले। एक तरफ घोटालों की कांग्रेस और दूसरी तरफ मोदी जी के नेतृत्व में तेजी से आगे बढऩे वाला देश है। मोदी सरकार में साढ़े 13 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। ये आज भारत की तस्वीर है। लंबे समय तक कांग्रेस और यूपीए की सरकार ह्यमहिला आरक्षण बिल पर बैठी हुई थी, लेकिन कोई पूछने वाला नहीं था। मोदी जी के नेतृत्व में संसद में नारीशक्ति वंदन विधेयक दो दिन के अंदर पास हो गया। मोदी जी की इच्छाशक्ति से ये बिल 2 दिन में पास हो गया और महिलाओं को 33त्न आरक्षण मिल गया। कांग्रेस के राज में जनता को घोटाले मिले। एक तरफ घोटालों की कांग्रेस और दूसरी तरफ मोदी जी के नेतृत्व में तेजी से आगे बढऩे वाला देश है। मोदी सरकार में साढ़े 13 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं, ये आज भारत की तस्वीर है।

अमित शाह जनसभाओं को करेंगे संबोधित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

ग्वालियर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 4 नवंबर को ग्वालियर चंबल संभाग के दौरे पर रहेंगे, इस दौरान वे ग्वालियर, शिवपुरी और श्योपुर जिले में चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे, अभी तक तय कार्यक्रम के मुताबिक अमित शाह रात्रि विश्राम ग्वालियर में ही करेंगे, इस दौरान वे पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में 4 जनसभाओं को संबोधित करेंगे एवं 2 रोड शो करेंगे।

अभी तक तय कार्यक्रम के मुताबिक गृह मंत्री अमित शाह 4 नवंबर को दोपहर 12 बजे ग्वालियर पहुंचेंगे। हेलीकॉप्टर द्वारा करैरा पहुंचकर दोपहर 12:40 बजे कृषि उपज मंडी प्रांगण में भाजपा प्रत्याशी रमेश खटीक के समर्थन में विशाल आमसभा को संबोधित करेंगे। दोपहर 1:35 बजे करैरा विधानसभा के सिरसौद में, दोपहर 1:45 बजे मानपुरा, दोपहर 2 बजे भौंती में रथसभाएं करेंगे , दोपहर 2:15 बजे पगारा में स्वागत, दोपहर 2:30 बजे ढाला में स्वागत, दोपहर 2:40 बजे बदरवाद में रथसभाओं को संबोधित करेंगे।

इंटक मैदान में लेंगे आमसभा

अमित शाह दोपहर 2:55 बजे पिछोर नगर के स्टेडियम में भाजपा प्रत्याशी प्रीतम सिंह लोधी के समर्थन में विशाल आमसभा को संबोधित करेंगे। शाम 4:15 बजे हजारेश्वर मेला ग्राउंड, श्योपुर में पार्टी प्रत्याशी दुर्गालाल विजय के समर्थन में आयोजित विशाल आमसभा को संबोधित करेंगे। अमित शाह शाम 7:30 बजे इंटक ग्राउंड हजीरा, ग्वालियर में भाजपा प्रत्याशी प्रद्युम्न सिंह तोमर के समर्थन में विशाल आमसभा को संबोधित करेंगे। अमित शाह रात्रि विश्राम ग्वालियर में करेंगे।

बुरहानपुर में 200 भाजपा पदाधिकारियों ने दिया इस्तीफा

हर्षवर्धन बोले- इस्तीफों की झड़ी लगेगी, 1980 जैसी स्थिति बनाएंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

बुरहानपुर। **बुरहानपुर विधानसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे भाजपा के बागी प्रत्याशी हर्षवर्धन सिंह चौहान के समर्थन में एक दिन पहले 12 से अधिक पदाधिकारियों ने पार्टी से इस्तीफे दिए थे। वहीं शुक्रवार दोपहर 3 बजे काफी संख्या में पदाधिकारी और नेता एकजुट होकर संजय नगर स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचे। यहां करीब 200 से अधिक भाजपा पदाधिकारियों ने भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज लधवे को सामूहिक रूप से इस्तीफे दे दिए। इसमें कई मंडल अध्यक्ष, पार्षद, पार्षद प्रतिनिधि शामिल हैं।**

भैया तुम संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं। भाजपा को जिंदा कौन रखेगा... हम रखेंगे हम रखेंगे- जैसे नारे लगाए गए। इससे पहले सभी अटल स्मृति स्थल पहुंचे और अटल जी की समाधि पर नमन किया।

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज लधवे ने कहा- कोर कमेटी के सदस्यों से चर्चा करेंगे। कार्यकर्ताओं को मनाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यकर्ताओं की भावनाओं से प्रदेश नेतृत्व को अवगत कराया है। हमारी ओर से फोटो-वीडियो के साथ जानकारी भेजी जाती है। कार्यकतार्ओं की प्रत्याशी के प्रति नाराजी है। कल भी कुछ लोगों ने इस्तीफे दिए थे। आज भी कुछ कार्यकर्ता यहां आए। उन्होंने इस्तीफे दिए। निर्णय करने का अधिकार प्रदेश स्तर का है। इधर पदाधिकारियों के साथ आए निर्दलीय प्रत्याशी हर्षवर्धन सिंह चौहान ने कहा- इस्तीफों की तो झड़ी लगेगी और स्थिति तो हम 1980 जैसी बनाएंगे, जबकि भाजपा का नवीन गठन हुआ था। बुरहानपुर से झल-कपट वाले नेता जो घुसकर बैठे हैं उनको बाहर करके बहुत जल्द फिर से साफ-सुथरी भारतीय जनता पार्टी बनाएंगे। आज बहुत सारे लोगों ने इस्तीफे दिए हैं। अभी पदाधिकारियों के इस्तीफे आए हैं।

हर्षवर्धन ने कहा कि जिलाध्यक्ष हमारे लेटर को पढक़र भावनाओं को समझ पा रहे हैं। मैं जिलाध्यक्ष और पदाधिकारियों से कहूंगा कि अगर वह कह दें कि उन्होंने टिकट सही दिया है तो मैं मान जाऊंगा। भाजपा से बागी हर्षवर्धन सिंह चौहान अपने 200 से अधिक समर्थक और पदाधिकारियों के साथ पार्टी कार्यालय पहुंचे। इस दौरान जिलाध्यक्ष मनोज लधवे को सामूहिक इस्तीफा दे दिया।

इन पदाधिकारियों ने दिए पार्टी से इस्तीफे

युवराज महाजन पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष शाहपुर, अनिरूद्ध पारीख श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल, लक्ष्मण महाजन जिला महामंत्री, विनोद चौधरी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पिछड़ा वर्ग, विनोद इंगले, भाजपा नेता, दिनेश चौधरी पूर्व जिला महामंत्री भाजयुमो, सुनील महाजन, आकाश लाखवानी, संकेत सिंह चौहान, महेश सोनवणे सोशल मीडिया भाजयुमो, प्रदुम्मन बेदरकर उपाध्यक्ष श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल, अंकित टिल्लानी, उपाध्यक्ष श्यामा प्रसाद युवा मोर्चा, दीपक पवार उपाध्यक्ष भाजयुमो, अमन मेहरा, पवन मांडे आईटी सेल सह-संयोजक, धनराज चौधरी युवा मोर्चा मंडल मंत्री, मयूर पाटिल मंडल उपाध्यक्ष, सुभाष कोली अंत्योदय जिला समिति सदस्य, दीपक चौधरी शाहपुर मंडल उपाध्यक्ष, हिदायतउल्ला जैनाबाद, रूपेंद्र धामंदेकर मंडल उपाध्यक्ष, आदित्य काजले सह-सोशल मीडिया प्रभारी, देवाशीष आसखडक़े मंडल उपाध्यक्ष, यशवंत भास्कर, जिगर जंगाले उपाध्यक्ष युवा मोर्चा, धनराज प्रभाकर गावंडे किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष, प्रदीप पाटिल जिला प्रभारी किसान मोर्चा, अश्विन मारकंडे पार्षद प्रतिनिधि, पुष्पेंद्र बाविस्कर, प्रशांत डोले मंडल अध्यक्ष अजा मोर्चा, योगेश नेरकर, विनोद राव पाटिल पार्षद और श्यामाप्रसाद मुखर्जी मंडल अध्यक्ष, महेश सिंह सूर्यकांत सिंह चौहान जिला कार्यकारिणी सदस्य ने सामूहिक रूप से इस्तीफे सौंपे।

कांग्रेस ने भाजपा नेताओं की घेराबंदी के लिए उतारे प्रवक्ता

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। कांग्रेस ने प्रचार में आक्रामक तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। पार्टी ने बीजेपी के एक दर्जन बड़े प्रत्याशियों के इलाके में पूर्णकालिक पेशेवर प्रवक्ताओं की टीम तैनात कर दी है। ये प्रवक्ता कांग्रेस की बात जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। इनके अलावा सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में जिला प्रवक्ताओं ने भी काम शुरू कर दिया है। इन सभी को चुनाव के लिए खास ट्रेनिंग दी गई है।

सीएम, तोमर और विजयवर्गीय की घेराबंदी

जिन इलाकों में नेताओं की घेराबंदी की जाएगी, वे हैं शिवराज सिंह चौहान का बुधनी, नरेंद्र तोमर का दिमनी, कैलाश विजयवर्गीय का इंदौर-1, भूपेंद्र यादव का खुरई, फग्गन सिंह कुलस्ते का निवास, नरोत्तम मिश्रा का दतिया, रीति पाठक का सीधी, राकेश सिंह का जबलपुर पश्चिम, लाल सिंह आर्य का गोहद, प्रहलाद पटेल का नरसिंहपुर, उदय प्रताप सिंह का गाडरवारा और गणेश सिंह का सतना। पार्टी प्रवक्ता और आईटी विभाग की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत्र प्रदेश भर के प्रवक्ताओं के दैनिक समन्वय की कमान संभालेंगी। उन्हें पार्टी ने इस चुनाव का मीडिया ऑब्जर्वर बनाया है। कांग्रेस की प्रवक्ता और आईटी विभाग की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत्र को मीडिया ऑब्जर्वर बनाया है। श्रीनेत्र प्रदेश भर के प्रवक्ताओं से प्रतिदिन समन्वय करेंगी।

सिंधिया बोले- कांग्रेस के लिए मैं काला कौआ हूं

कमलनाथ ने मेरे हाथों भी किसान ऋण माफी के फर्जी प्रमाण पत्र बंटवाए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

अशोकनगर। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया शुक्रवार को अशोकनगर के दौरे पर आए। उन्होंने मुंगावली से भाजपा प्रत्याशी बृजेंद्र सिंह यादव के समर्थन बहादुरपुर में जनसभा को संबोधित किया।

इस दौरान सिंधिया ने कहा कि, भाजपा के लोग आपके लिए संकल्पित हैं। नाम लिए बिना कमलनाथ-दिग्विजय को छोटा भाई-बड़ा भाई कहा। उन्होंने खुद के किए कामों को मंच से गिनाया। कमलनाथ को लेकर कहा कि, जब हम उनके पासे जाते थे तो कहते थे समय नहीं है चलो-चलो। इसलिए प्रदेश की जनता, कार्यकर्ता, विधायक, मंत्री और सिंधिया ने उन्हें कह दिया चलो।

मुझसे भी झूठे प्रमाण-पत्र बंटवा दिए- बीजेपी में जाने को लेकर उन्होंने मंच से जनता से पूछ कि मैंने सही किया या नहीं। भाजपा की सरकार ने 11 लाख 50 हजार किसानों का ब्याज माफ किया है। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं गिनाईं। इस दौरान कहा कि कांग्रेस की सरकार होती तो हमारी ब्याज माफी योजना का लाभ नहीं मिलता। उल्टा कांग्रेस किसानों से पैसा ले लेती। कांग्रेस ने 26 लाख फर्जी किसान ऋण माफी के प्रमाण पत्र बंटवाए। कुछ मेरे हाथों से भी बंटवा दिए। फिल्मी अंदाज में कहा कि झूठ बोले कौआ काटे, काले कौए से डरियो। उन्होंने कहा- मैं कांग्रेस के लिए काला कौआ हूं।

कांग्रेस की सोच- जान न जाए, वचन भले ही चले जाए- बहादुरपुर के बाद सिंधिया शाढौरा पहुंचे। यहां सभा में कहा- अभी तो युद्ध का समय है। न पानी, न खाना, हाथ में ढ़ाल, तलवार और जनता की रक्षा। यह लड़ाई आप, आपके परिवार को सुरक्षित करने की है। हमारी सोच है जान जाए पर वचन न जाए। लेकिन कांग्रेस की सोच है जान नहीं जाए, वचन भले ही जाए। जनता से सवाल पूछा- ऐसे लोगों का बोरी-बिस्तर बांधकर सिंध नदी में टपका दोगे। उन्होंने कहा कि जब मैं 2002 में शाढौरा आया था। उस समय क्या हाल था। मैं गुना से शाढौरा नहीं पहुंच पाता था। गुना-अशोकनगर पहुंचने में कमर को बचाना मुश्किल होता था। यहां के लोग ट्रेन से कहीं जाए तो गुना, अशोकनगर से जाकर ही सफर करना पढ़ता था। यहां पर ट्रेनें नहीं रुकती थी और न ही अच्छी सडक़ें थी।

Maharashtra

रायगढ़ में फार्मा फैक्ट्री में भीषण धमाका, चार की मौत

मुंबई, (एजेंसी) महाराष्ट्र के रायगढ़ से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां के महाड एमआईडीसी में एक दवा निर्माता कंपनी में भीषण विस्फोट हुआ। इस हादसे में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, वहीं कई लोगों के घायल होने की खबर है।

शुक्रवार को ब्लू जेट हेल्थकेयर में भीषण विस्फोट हुआ। धमाके में चार लोगों की मौत हुई है। इन लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। बताया जा रहा है कि एनडीआरएफ की टीम सबसे अंत में वहां पहुंची। फिलहाल बचाव अभियान जारी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, घटना के समय कंपनी में मौजूद 11 लोगों का कुछ पता नहीं चला है।

Bihar

मां को पीट रहा था बेटा, चीख-पुकार सुन घर पहुंचे पिता ने कर दी बेटे की हत्या

पटना, (एजेंसी) बिहार के पटना में एक पिता ने अपने बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी. घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. साथ ही अस्पताल में पत्नी का इलाज करा रहे आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है.

घटना परसा बाजार थाना क्षेत्र के कूड़ा नवादा गांव की है. पुलिस के मुताबिक, कूड़ा नवादा गांव के रहने वाले युवक संतोष कुमार शुक्रवार दोपहर अपने घर पहुंचा. इसके बाद हुए घरेलू विवाद में अपनी मां पुतुल देवी को पीटने लगा. मां को इतनी बेरहमी से पीटा कि वो खून से लहूलुहान हो गई.

वहीं, युवक का पिता विजय बिंद अपनी पत्नी की चीख-पुकार सुनकर घर के अंदर दाखिल हुआ. उसने देखा कि बेटा संतोष अपनी मां को बेरहमी से पीट रहा है. यह देख उसको इतना गुस्सा आया कि पत्थर और ईंट से बेटे पर हमले कर दिए.

जैसे ही उसका बेटा जमीन पर गिरा, पिता ने ईंट-पत्थर से कूच-कूचकर उसे इतना मारा की उसकी मौत हो गई. इसके बाद वो अपनी घायल पत्नी को लेकर परसा के देव अस्पताल पहुंचा और भर्ती कराया. इस मामले में पटना सदर के एसडीपीओ स्वीटी शहरावत ने बताया कि कूड़ा नवादा गांव में एक पिता ने बेटे की हत्या करी दी है.

Uttarpradesh

शिवसेना के पूर्व विधायक को यूपी एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

लखनऊ, (एजेंसी) शिवसेना के पूर्व विधायक को यूपी पुलिस की एसटीएफ विंग ने गिरफ्तार किया है. ये पूरा मामला जमीन की धोखाधड़ी और जालसाजी से जुड़ा है. यूपी पुलिस का कहना है कि एक महिला ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए 8 करोड़ की जमीन 20 लाख रुपए में हड़पने का आरोप लगाया था. आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश की जा रही थी. पुलिस अब आगे की पूछताछ करेगी. बता दें कि 1990 के दशक में राम मंदिर आंदोलन के दौरान पवन पांडे ने शिवसेना के टिकट पर अंबेडकर नगर जिले की अकबरपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी. यूपीएसटीएफ ने एक साल पुराने जमीन धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेज तैयार करने के केस में पवन पांडे की गिरफ्तारी की है. हाईकोर्ट के आदेश पर यूपीएसटीएफ ने साल 2022 में केस दर्ज किया था.

Jharkhand

झारखंड में कांग्रेस नेता को मारी गोली, भूमाफिया से हुआ था विवाद

रांची, (एजेंसी) झारखंड के हजारीबाग जिले में जमीन के विवाद में कांग्रेस नेता को गोली मार दी गई। हथियारबंद लोगों द्वारा गोली मारे जाने के बाद कांग्रेस वरिष्ठ नेता गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मामला जमीनी विवाद का है।इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पांच लोग फरा हैं। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

शुक्रवार शाम को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव (ओबीसी सेल) प्रकाश, कोर्रा के कैनरी हिल इलाके में गए थे। वहां उन्होंने एक जमीन खरीदी थी। जमीन पर निर्माण कार्य चल रहा था। जब प्रकाश निर्माण स्थल पर पहुंचे तो वहां भूमाफिया अशोक साव से उनकी बहस हो गई। बहस इतनी बढ़ी की गोली भी चल गई। साव के लोगों ने कांग्रेस नेता पर गोलियां चला दीं। इस घटना में प्रकाश गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें रांची के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

कांग्रेस नेता पर गोली चलाने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार हुए आरोपी का नाम अशोक साव है। उसके पांच अन्य साथी घटना के बाद मौके से फरार हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि उनकी तलाश की जा रही है। उनको पकड़ने के लिए तलाशी अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

खेल

हार्दिक पांड्या हुए वर्ल्ड कप 2023 से बाहर, BCCI ने किया रिप्लेसमेंट का ऐलान

नई दिल्ली। टीम इंडिया को वर्ल्ड कप 2023 के बीच एक बड़ा झटका लगा है। टीम के धाकड़ ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 से अब पूरी तरह बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी BCCI ने उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान भी कर दिया है। वर्ल्ड कप 2023 के चौथे मैच के दौरान हार्दिक पांड्या को एंकल इंजरी हुई थी। अब बीसीसीआई ने उनकी जगह तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को फाइनल 15 में शामिल किया है। आईसीसी ने इस रिप्लेसमेंट को मंजूरी दे दी है।

हार्दिक पांड्या को बांग्लादेश के खिलाफ पुणे में खेले गए मैच में गेंदबाजी करते हुए स्ट्रेट ड्राइव को रोकते समय चोट लगी थी। इसके बाद वे स्कैन के लिए गए थे, जहां पाया गया था कि उनको कुछ इंजेक्शन लगेंगे और कुछ दिन के बाद वे मैदान पर लौट सकते हैं। चोट के इलाज के लिए हार्दिक पांड्या को बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी ले जाया गया था, जहां उनका इलाज चला और वे नेट्स में भी नजर आए। इस दौरान उन्होंने 3 मैच किए, लेकिन वे पूरी तरह इस दौरान ठीक नहीं हुए।

एंकल इंजरी से उबर नहीं पाने की वजह से बीसीसीआई ने उनके रिप्लेसमेंट की मांग आईसीसी की टेक्निकल कमेटी से की, जिसे मंजूर कर लिया गया है। उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर प्रसिद्ध कृष्णा को टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, चिंता अब इस बात की है कि टीम में छठे गेंदबाज की भूमिका कौन निभाएगा। हालांकि, टीम के लिए अभी तक छठे गेंदबाज की जरूरत नहीं पड़ी है, क्योंकि मोहम्मद शमी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पिछले तीन मैचों में कुल 14 विकेट निकाले हैं।

प्रसिद्ध कृष्णा की बात करें तो उन्होंने भारत के लिए सिर्फ 19 व्हाइट बॉल क्रिकेट के मैच खेले हैं। उन्हें आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तब देखा गया था जब उन्होंने विश्व कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ ओवरों में 45 रन देकर एक विकेट हासिल किया था। उस मैच में उन्होंने डेविड वॉर्नर को चलता किया था। कृष्णा ने 33 अंतरराष्ट्रीय विकेट अब तक चटकाए हैं और वे अब भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण (जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज) का हिस्सा होंगे।

सिनेमा

भगवान की भक्ति में रमीं कंगना रनौत, सोमनाथ में टेका माथा-द्वारकाधीश के किए दर्शन, फैन्स बोले- आस्था हो तो ऐसी

बॉलीवुड की धाकड़ एक्ट्रेस कंगना रनौत इन दिनों अपनी फिल्म 'तेजस' को लेकर सुर्खियों में हैं. फिल्म इस फ्राइडे थिएटर्स में रिलीज हो चुकी है. फिल्म रिलीज के बाद 3 नवंबर को कंगना गुजरात के सोमनाथ मंदिर महादेव के दर्शन करने पहुंचीं. जहां उन्होंने भोलेनाथ की पूजा करके उनका जलाभिषेक किया. जलाभिषेक होने के बाद सोमनाथ ट्रस्ट के मुख्य पुजारी श्री ने कंगना को चंदन का तिलक लगाकर खेस ओढ़ाकर आशीर्वाद दिया. आशीर्वाद में एक्ट्रेस को मंदिर का प्रसाद भी दिया गया.

ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव के दर्शन करने के बाद कंगना रनौत बेहद खुश नजर आईं. सोमनाथ मंदिर के बाद कंगना ने श्री कृष्ण की मोक्ष भूमि के दर्शन किए, जो कि सोमनाथ मंदिर के काफी करीब है. ये पहला मौका नहीं है जब कंगना किसी धार्मिक यात्रा पर निकली हैं. इससे पहले भी उन्हें कई मंदिरों में पूजा अर्चना करते देखा गया है. 'तेजस' की रिलीज से पहले कंगना ने अयोध्या पहुंच कर भगवान रामलला के दर्शन किए, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना करके प्रभु राम का आशीर्वाद लिया.

संपादकीय

चुनावी बॉन्ड : रिश्वत को लीगलाइज करने का तरीका तो नहीं बन गया

सुप्रीम कोर्ट में चल रहे इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़े अहम मामले में गुरुवार को सुनवाई पूरी हो गई। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली बेंच ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है, लेकिन सुनवाई के दौरान जिस तरह से इस मसले के अलग-अलग पहलू उभरे वह भी काफी महत्वपूर्ण है। इस दौरान न केवल चुनावी फंडिंग से बल्कि डोनेशन देने वाली कंपनियों, डोनेशन पाने वाले दलों और इन राजनीतिक दलों को अपने वोट से चुनने वाले वोटरों के अधिकारों से भी जुड़ी अलग-अलग राय सामने आई। यह सवाल उठा कि सुप्रीम कोर्ट को इस मसले पर विचार करने का अधिकार है भी या नहीं। अदालत ने साफ किया कि चुनावी फंडिंग का जो फॉर्मेट कार्यपालिका ने बनाया है, वह संविधान की कसौटियों पर खरा उतरता है या नहीं, यह देखना उसकी जिम्मेदारी है और इसी सवाल पर वह विचार करेगी। अगर उसमें कमी पाई जाती है तो उसे कैसे ठीक किया जाए या उसकी जगह कोई दूसरा फॉर्मेट लाना है तो वह कैसा हो और कैसे आए, यह देखना सरकार का काम होगा। सुनवाई के दौरान यह बात बार-बार कही गई कि चुनावी बॉन्ड से जुड़ा कानून लाने के पीछे मंशा अच्छी थी। इस पर किसी पक्ष ने आपत्ति भी नहीं की। बावजूद इसके, फंडिंग के इस तरीके में कई तरह की दिक्कतों की बात सामने आई। भले ही कानून लाने के पीछे कैश डोनेशन रोकने और फर्जी कंपनियों के डोनेशन पर लगाम लगाने का इरादा रहा हो, लेकिन व्यवहार में हो यह रहा है कि डोनेशन से जुड़े डीटेल्स तक सिर्फ सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी की पहुंच होती है किसी और की नहीं। इसका परिणाम यह देखा जा रहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड का तकरीबन सारा हिस्सा सत्तारूढ़ दलों को जाता है और बाकी पार्टियों को नाम मात्र का हिस्सा मिलता है। इस धारणा की पुष्टि के लिए हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए मिले फंड का ब्योरा पेश करने को कहा है, लेकिन यहां दो सवाल उभरते हैं। पहला यह कि कहीं इससे विभिन्न राजनीतिक दलों के समानता के अधिकार की धज्जियां तो नहीं उड़ रहीं और दूसरा, कहीं यह रिश्वत को लीगलाइज करने का तरीका तो नहीं बन गया है। एक अहम पहलू यह भी सामने आया कि अपने डोनेशन को गोपनीय रखने का कंपनियों का अधिकार ज्यादा महत्वपूर्ण है या राजनीतिक दलों को मिल रही फंडिंग का सोर्स जानने का आम नागरिकों और वोटरों का हक।

राजा और पंडित

अगले दिन राजा की सवारी निकली। नगरवासियों ने उन्हें फूलों की माला पहनाई व आरती उतारी। पंडित जी राजा के कहे अनुसार उस दुकान के सामने खड़े हो गए। राजा की सवारी साहूकार की दुकान के सामने आई, तो राजा ने पंडित जी को देखाकर प्रणाम किया और उनसे कहा कि आप यहां क्या कर रहे हैं। आप हमारे गुरु हैं, आप हमारे साथ बग्घी में चलिए। पंडित के बग्घी में बैठने के बाद साहूकार ने राजा की पूजा की और उन्हें फूलों की माला पहनाई।

एक समय की बात है, गौंतूर नाम के एक गांव में एक पंडित जी रहा करते थे। उन्होंने एक साहूकार के पास 500 रुपये यह सोचकर जमा करा दिए कि जब उनकी बेटी की शादी होगी, तो ये पैसे उनके काम आएंगे। देखते ही देखते समय निकलता गया और बेटी शादी योग्य हो गई। पंडित जी ने अपनी बेटी के लिए योग्य वर देखना शुरू कर दिया। उन्हें अपनी पुत्री के लिए एक लड़का पसंद भी आया, जिसके बाद पंडित जी साहूकार के पास अपने पैसे लेने गए।

साहूकार ने उन्हें पैसे देने से इंकार करते हुए कहा- मेरे पास आपने कोई पैसे जमा नहीं कराए। आपके पास क्या सबूत है कि आपने मेरे पास पैसे रखे थे। क्या आपके पास उसका कोई लिखित प्रमाण है?

साहूकार की ये बातें सुनकर पंडित जी परेशान हो जाते हैं और वे समझ जाते हैं कि साहूकार ने उनके पैसे हड़प लिए हैं। एक दिन पंडित जी मंदिर से घर लौट रहे थे तभी उनके दिमाग में विचार आया कि उन्हें उस साहूकार की शिकायत राजा से करनी चाहिए। हो सकता है राजा इस परेशानी का कोई हल निकाल दें।

पंडित जी बिना देरी किए राजा से मिलने के लिए पहुंच गए और वहां जाकर उन्होंने अपनी परेशानी राजा के सामने रखी। पंडित जी की बात सुनकर राजा ने कहा कि कल नगर के लिए हमारी सवारी निकलेगी, तुम उस समय उस साहूकार की दुकान के सामने जाकर खड़े हो जाना। राजा की बात सुनकर पंडित जी अपना झोला उठाकर घर को निकल गए।

अगले दिन राजा की सवारी निकली। नगरवासियों ने उन्हें फूलों की माला पहनाई व आरती उतारी। पंडित जी राजा के कहे अनुसार उस दुकान के सामने खड़े हो गए। राजा की सवारी साहूकार की दुकान के सामने आई, तो राजा ने पंडित जी को देखाकर प्रणाम किया और उनसे कहा कि आप यहां क्या कर रहे हैं। आप हमारे गुरू हैं, आप हमारे साथ बग्घी में चलिए। पंडित के बग्घी में बैठने के बाद साहूकार ने राजा की पूजा की और उन्हें फूलों की माला पहनाई।

उसके बाद राजा की बग्घी आगे बढ़ गई। पंडित जी को कुछ दूर आगे जाने के बाद राजा ने बग्घी से उतार दिया और बोला कि मैंने अपना काम कर दिया है। अब आगे देखों क्या होता है। पंडित और राजा के संबंध को देखकर साहूकार सोच में पड़ गया और उसे घबराहट होने लगी कि कही पंडित उसकी शिकायत राजा से न कर दे। वह घर जाकर रात भर सो नहीं पाया।

सुबह दुकान पर जाकर सबसे पहले साहूकार ने अपने मुनीम को पंडित जी को सह सम्मान दुकान में लाने के लिए कहा। मुनीम पंडित जी को ढूंढने निकल गया। कुछ देर बात पंडित जी उसे नगर में एक पेड़ की छाव में आराम करते हुए नजर आए। मुनीम ने पंडित जी को कहा कि साहूकार ने उनको दुकान में लेकर आने के लिए भेजा है।

मुनीम, पंडित जी को सम्मान के साथ दुकान लेकर जाता है। साहूकार पंडिज जी को आदर सम्मान के साथ बिठाते हुए कहता है- मैंने पुराने खाते की अच्छी तरह जांच की और उसमें आपने मुझे पांच सौ रुपए दिए थे, इसकी जानकारी मिली है। यह पैसा पीछे दस सालों से मेरे पास जमा है, जिस वजह से इसका ब्याज मिलाकर यह बारह हजार पांच सौ रूपए हो गए हैं। फिर साहूकार उन्हें तेरह हजार पांच सौ रुपए देता हुए कहता है कि आपकी बेटी मेरी भी बेटी की तरह है, तो ये एक हजार रुपए मेरी तरफ से उसकी शादी के लिए हैं। साहूकार ने पंडित जी को तेरह हजार पांच सौ रुपए देकर बड़े ही प्रेम के साथ विदा किया। इस तरह पंडित जी को उनके अपने पैसों के साथ ही उसका ब्याज और शादी के लिए साहूकार की तरफ से एक हजार रुपये अतिरिक्त मिल गए।

कहानी से सीख

अगर कोई किसी को परेशान कर रहा है, तो उसके सामने गिडगिडाने की बजाय ऐसे व्यक्ति से मदद मांगे, जो इस समस्या से उसे निकाल सकता है।

स्वामी विवेकानंद की प्रेरक कहानी

कबूतर का घोंसला

एक बार गौतम बुद्ध शाम के समय कुटिया के बाहर शिष्यों के साथ बेठे थे। तभी वहां एक कबूतर का जोड़ा उड़ता हुआ आ गया। उन्हें देख कर महात्मा बुद्ध को एक कहानी याद आई और उन्होंने शिष्यों को कहानी सुनना शुरू किया।

एक पेड़ पर एक कबूतर और कबूतरी रहते थे। कुछ समय बाद कबूतरी ने उसी पेड़ की टहनी पर तीन अंडे दिए। एक दिन कबूतर और कबूतरी दोपहर के समय खाना ढूंढते हुए कुछ दूर निकल गये। तभी कहीं से एक लोमड़ी आ गयी। वह भी भोजन की तलाश में पेड़ पर चढ़ी। जहां उसे कबूतर के अंडे मिल गये और वो अंडों को खा गयी।

जब कबूतर का जोड़ा वापस आया तो अंडे न पा कर बहुत परेशान हो गया। दोनों को बहुत बुरा लग रहा था। उनका मन टूट सा गया। तभी कबूतर ने निश्चय किया कि अब वह घोंसला बनाएंगा। ताकि फिर कभी उसके अंडे कोई न खा जाए।

कबूतर ने अपने निर्णय अनुसार तिनके इकट्ठे कर के घोंसला बनाना शुरू किया। पर उसे एहसास हुआ कि उसे तो घोंसला बनाना आता ही नहीं है। तब उसने मदद के लिए जंगल के दूसरे पक्षियों को बुलाया। सभी पक्षी उसकी मदद के लिए आ गये आर उन्होंने कबूतर के लिए घोंसला बनाना शुरू किया। पक्षियों ने अभी कबूतर को सिखाना शुरू ही किया था कि कबूतर ने बोला कि अब वो घोंसला बना लेगा। उसने सब सीख लिया है। सभी पक्षी यह सुन कर वापस चले गए। अब कबूतर ने घोंसला बनाना शुरू किया। उसने एक तिनका इधर रखा एक तिनका उधर। उसे समझ आया कि वह अभी भी कुछ नही सीखा है। उसने फिर से पक्षियों को बुलाया। पक्षियों ने आ कर फिर घोंसला बनाना शुरू किया। अभी आधा घोंसला बना ही था कि कबूतर जोर से चिल्लाया, तुम सब छोड़ दो अब मैं समझ गया हूं यह कैसे बनेगा। इस बार पक्षियों को बहुत गुस्सा आया। सारे पक्षी तिनके वहीं छोड़ कर चले गये। कबूतर ने फिर कोशिश की पर उस से घोंसला नहीं बना। कबूतर ने तीसरी बार पक्षियों को बुलाया, लेकिन इस बार एक भी पक्षी मदद के लिए नहीं आया और आज तक कबूतर को घोंसला बनाना नहीं आया।

कहानी से सीख

गौतम बुद्ध जी की इस कहानी ने बताया कि हमें जो काम नहीं आता हो, उसे किसी की मदद से पूरी तरह सीख लेना चाहिए। जो काम नहीं आता हो उसे जबरदस्ती करने का दिखावा नहीं करना चाहिए, क्योंकि मदद करने वाला व्यक्ति एक या दो बार तो आपकी मदद करेगा, लेकिन हर बार नहीं। इसलिए, किसी की मदद का सम्मान करते हुए वह काम पूरी निष्ठा के साथ सीखना चाहिए।

Highlights

- **Air pollution situation can improve from November 8: IMD chief Mohapatra**
- **People rush out of homes, residents share videos of fans shaking as tremors felt in Delhi**
- **PM Modi expresses grief after earthquake in Nepal kills 128**
- **Couple beaten up at supermarket, wife forced to touch abuser's feet in MP**
- **India making its own Iron Dome, more lethal than Israel: Reports**
- **Pharma company gifts cars to its employees ahead of Diwali**

UK's AI Safety Summit and US executive order usher in an era of AI regulation

NEW DELHI, (Agency). This is the week where governments globally have perceptibly taken forward conversation about a broader artificial intelligence (AI) landscape including capabilities, risks, sustainability and confidence as well as standardization of information watermarks on AI generated content. Between the US President Joe Biden signing an executive order, The Bletchley Declaration at the UK AI Safety Summit, and the G7 agreement on a code of conduct for AI companies, first definitive steps have been taken towards AI regulation. AI companies seem willing partners in this process, at least for now.

The push for regulations and placing controls on quality, were needed. At a time when capabilities of general-purpose AI models (called frontier AI) are exceeding what most advanced AI models of

today can and cannot do. While the more specific AI models are also adopting broader tools. Guidelines are being pieced together to keep tabs on how AI systems are tested for safety and accuracy, whilst user data privacy isn't ignored with training data for AI systems.

UK's pitch for safe AI leadership

The UK's AI Safety Institute, the first of its kind globally, which will evaluate risks of AI models before they're released, and after. The institute has the support of other countries as well as major AI companies including OpenAI and DeepMind. Global governmental cooperation was something UK Prime Minister Rishi Sunak had pitched for, earlier this year. At the London Tech Week this summer, he cited how AI doesn't respect traditional national borders, necessitating need global cooperation between nations and labs.

"I believe the achievements of this summit will tip the balance in favour of humanity. Because they show we have both the political will and the capability to control this technology and secure its benefits for the long-term," said Sunak, at the AI Safety Summit.

Zomato Q2 Result: Net profit at ₹36 crore, revenue rises 72%, stock surges 7%

NEW DELHI, (Agency). Online food delivery platform Zomato on Friday reported a consolidated profit after tax of ₹36 crore for the second quarter ended September 2023, driven by strong revenue growth.

The company had reported a loss of ₹251 crore for the corresponding quarter of the previous financial year. Revenue from operations was ₹2,848 crore in the quarter. In

the year-ago period, it was ₹1,661 crore. Total expenses were ₹3,039 crore in the quarter under review. In the year-ago quarter, it stood at ₹2,092 crore, according to a regulatory filing. The company also announced that its board has approved sale of entire voting rights constituting 30 per cent in ZMT Europe LDA, an associate company located in Portugal, for an aggregate sale consideration of 1.80 lakh euros (approx ₹1,59,45,300) In a letter to shareholders, the company informed that its quick commerce business (Blinkit) has turned contribution positive for the first time, for the entire quarter. The contribution margin as a percentage of gross order value (GOV) in the business improved from -7.3 per cent in Q2FY23 last year (when it acquired the business) to 1.3 per cent now in Q2FY24. "The growth momentum we witnessed in Q1FY24 continued in Q2FY24 driven by healthy growth across all our businesses," Founder and CEO Deepinder Goyal said.

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।